18/12/24

पत्रावली पेश हुई। वादी प्रार्थी अथवा प्रार्थी की ओर से कोई उपस्थित नहीं है। वादी/प्रार्थी का वादपत्र खारिज हो चुका है। मुख्य वाद के अभाव में प्रस्तुत टीआई के चलाने का कोई औचित्य नहीं है। अतः प्रार्थना-पत्र टीआई इसी स्तर पर खारिज किया जाता है। पत्रावली फैसल शुमार होकर नम्बर से कम हो।

Signature Not Verified
Digitally signed by Vijendra Kumar Meena
Date: 2025.01.03 11:39:19 IST
Reason: SelfAttested